इनफोसिस के पितामह ने पेश की मिसाल

बंगलोर। ज्ञान की अथाह पूंजी और उच्च मानव मूल्यों से समृद्ध सॉफ्टवेयर दिग्गज एनआर नारायणमूर्ति ने दुनिया के सामने एक और आदर्श स्थापित किया। रविवार को उन्होंने अपनी ही कंपनी इनफोसिस के कार्यकारी अध्यक्ष पद से रिटायरमेंट ले लिया। कार्यकारी चेयरमैन का पद उन्होंने अपने सहकर्मी नंदन नीलकर्णी को सौंप दिया। नारायणमूर्ति अब इनफोसिस के गैर-कार्यकारी चेयरमैन पद पर रहेंगे, ताकि देश की दूसरी सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी को भविष्य में भी अपनी गुणवत्ता बनाए रखने में सहायता मिले।

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में देश को बुलंदी पर ले जाने वाले नारायणमूर्ति ने 1981 में महज 10 हजार रुपये से इनफोसिस की शुरुआत की थी और 25 साल में उसे दो अरब डॉलर सालाना आय वाली कंपनी में तब्दील कर दिया। आज बाजार में कंपनी की पूंजी लगभग 21 अरब डॉलर है। नारायणमूर्ति ने रविवार को अपना 60वां जन्मदिन मनाया। कंपनी के नियमों के तहत प्रत्येक कर्मचारी के लिए 60 वर्ष की उम्र में अनिवार्य रूप से रिटायरमेंट लेना पड़ता है। कंपनी का संस्थापक और सर्वेसर्वा होते हुए भी नारायणमूर्ति ने इस नियम का पालन किया और रिटायरमेंट लेने का फैसला किया। नारायणमूर्ति का कहना है कि इनफोसिस ही उनका पहला और आखिरी प्यार है। कोई और योजना उनके जेहन में नहीं है। कार्यकारी अध्यक्ष पद छोड़ने का अर्थ उनके लिए केवल इतना है कि रोज ऑफिस न जाना, इनफोसिस का कर्मचारी नहीं होना और तनख्वाह नहीं मिलना। राजनीति में जाने की उनकी कोई इच्छा नहीं है। उनका कहना है कि राजनीति अमीरी-गरीबी, शहरी-ग्रामीण, शिक्षित-अशिक्षित जैसे कई विभाजनों पर टिकी है। वह इसके लिए फिट नहीं हैं। मूर्ति ने कहा कि कि उन्होंने शुरुआती दौर में काफी संघर्ष करने बाद इस कंपनी को यहां तक पहुंचाया है। मैसूर यूनीवर्सिटी से इंजीनियरिंग स्नातक और आईआईटी कानपुर से पीजी डिग्री प्राप्त नारायणमूर्ति इनफोसिस शुरू करने से पहले आईआईएम अहमदाबाद, एसईएसए पेरिस, सिस्टम एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट पुणे और पाटनी कंप्यूटर सिस्टम्स मुंबई में काम कर चुके थे। **एजेंसियां**

- **महज दस हजार से की थी कंपनी की शुरूआत**
- **रविवार को ही था नारायण मूर्ति का 60वां जन्मदिन**